Date- 26-04-2020

CC-2 - समकालीन भारत एवं शिक्षा
Contemporary India and Education

Unit - IV — RMSA

RASHTRIYA MADHYAMIK SHIKSHA ABHIYAN (RMSA)

राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान
(पढ़े चलो, बढ़े चलो)

राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान भारत सरकार द्वारा संचालित शैक्षिक अभियान है। इसका गठन वर्ष 2009 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा किया गया तथा वर्ष 2010 में इसे सम्पूर्ण देश में लागू कर दिया गया। केन्द्र सरकार का मानना था कि एक अभियान के रूप में अर्थात एक क्रान्ति के रूप में केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकारों के सहयोग से माध्यमिक शिक्षा को सुलभ एवं मजबूत बनाया जा सकता है।

इस अभियान का प्रमुख लक्ष्य प्रत्येक घर से उचित दूरी पर एक माध्यमिक विद्यालय उपलब्ध कराकर 5 वर्ष में नामांकन दर माध्यमिक स्तर पर 90 प्रतिशत तथा उच्चतर माध्यमिक स्तर पर 75 प्रतिशत तक बढ़ाने का है तथा माध्यमिक विद्यालयों को निर्धारित मानकों के अनुरूप बनाते हुए महिला-पुरुष भेदभाव, सामाजिक-आर्थिक और निःशक्तता बाधाओं को मिटाते हुए माध्यमिक स्तर तक की शिक्षा की व्यापक सुलभता के साथ गुणवत्ता में सुधार करना है।

Scanned with CamScanner

RMSA के उद्देश्य

- 2017 तक शत-प्रतिशत नामांकन प्राप्त करना।
- 2020 तक शत-प्रतिशत ठहराव सुनिश्चित करना।
- लिंगानुपात अन्तर को कम करना।
- लगभग 5 किमी. के दायरे में माध्यमिक विद्यालय का निर्माण तथा लगभग 7 से 10 किमी के दायरे में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का निर्माण के साथ सुरक्षित परिवहन की व्यवस्था तथा परिस्थितियों के अनुसार आवासीय विद्यालय स्थापित किए जाने को तरजीह दी जा सकती है।
- सुदूरवर्ती क्षेत्रों में शिक्षकों के ठहराव को सुनिश्चित करने हेतु विद्यालय परिसर में ही आवासीय सुविधा का निर्माण करना।
- माध्यमिक शिक्षा से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रमों का निर्माण या आयोजन करना।
- शिक्षण सहायक सामग्री का निर्माण करना तथा विद्यालयों में खेल सुविधाओं की व्यवस्था करना।

Scanned with CamScanner

RMSA में केन्द्र एवं राज्य सरकार की वित्तीय व्यवस्था

- प्रारम्भ में केन्द्र व राज्य सरकार की 75:25 की साझेदारी थी।
- पूर्वोत्तर राज्यों में यह साझेदारी 90:10 की थी।
- वर्तमान में 12वी योजना के अनुसार यह सम्पूर्ण भारत में 50:50 की साझेदारी हैं।

राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान की आवश्यकता

- विज्ञान, गणित एवं अंग्रेजी की शिक्षा पर अत्यधिक ध्यान केन्द्रित करने हेतु ।
- सामाजिक ~~एवं~~, आर्थिक एवं क्षेत्रिय भेदभाव की समाप्ति ।
- माध्यमिक शिक्षा के स्तर में सुधार हेतु ।
- अतिरिक्त कक्षा - कक्षों के निर्माण हेतु।
- कम्प्यूटर कक्षा - कक्ष के निर्माण हेतु।
- पुस्तकालयों की स्थापना ।
- विज्ञान प्रयोगशाला का निर्माण।
- शिक्षकों की सेवारत प्रशिक्षण की व्यवस्था।

Scanned with CamScanner

- विद्यालयों में पीने योग्य पानी की सुविधा।
- विद्यालयों में शौचालयों का निर्माण।
- सांस्कृतिक कक्षा - कक्ष का निर्माण।
- शिल्पकला एवं कला कक्ष का निर्माण।
- विद्यालयों की मरम्मत सम्बन्धी सुविधा।
- माध्यमिक शिक्षा की सार्वभौतिक व्यवस्था।

Scanned with CamScanner